



ASHA ARCHIVES

ॐ का। प्र। का।
कृत्वा यत् ॥ श्री
रिमाया। सुत,
वृत्ति ॥
सहस्रस्रव
वृत्ति ॥ श्री
स्वादिह्यस्त,
सगानविब्रजान
सांसिह्यस्ताना
कृतकस्तान

खिनया रुत वा विषय
 वनिया तद न सा १२ म द त सा
 ११ म द त सा ५ म द सा १ न च
 वा म द त सा ५ ॥ क न पाखा
 क लू य ता न य व य ता ॥ नृद
 उ म त माल क ॥ व ल ग व त मा
 ल क ॥ का त द यी ॥ वा न र सा
 या त मा त ॥ व का क वा ॥ की य
 ख त या य द य क ॥ स्या व दि
 ता ॥ य ॥ ८ ॥ य ॥ य ॥ य ॥ य ॥
 या त ॥ स ॥ म ॥ त ॥ ता य ॥ या त ॥ य
 य ॥ य ॥ ता ॥ र ॥ र ॥ का ॥ न ॥ कि ॥ य ॥ य
 खा या ॥ त ॥ र ॥ य ॥ य ॥

मि मि वृ म वृ म

मृ म मृ म नादि
मि म नादि

क क मृ ना य वृ मृ मृ उ ह वि सा वि मृ मृ मृ उ गृ ध गृ मृ उ न मृ ल

क मृ नादि
मृ म नादि
वा म नादि

मृ म नादि
च क

मृ म नादि
मृ म नादि

ध या षा न स य इ न

वा त वा य द ह न गृ ह नि त रू ना ॥ मृ त स कृ ना दि नां ल नि श्रु दि नां रू या ॥ वृ ह ना दि
षू वा त्वा दि कृ ति का दि न कृ तं वि त्रि श्व । ता त ब्रा चि व कृ वृ य रू ता त वृ स स ना र्ज

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय

अख

धुङ्

धुम्

धुन

गत्रुध

हर्त

गत्रुकिमि

सिहज

सिद्य

खत कृ

नाग

खिया

खान

नाग

व

ज

व

व

ज

रा

क

ग

रा

जगः शदि नथित
साः ताङ्गि न अनति
तिथाय ॥ केवुधः ज
कनः थिलसाः अल

धायः लसः वस यतिः कमालिः भावल धायः वेद माथित्रसाः नृगिरु य इ
 धायः गतिरुलः नाहु चित्रसाः क्रमदन मा धायः ॥

नाम

हिता

नामः चित्रसाः मकि उरुतसाः दगु दाखत धायः ॥

नरु
मन

रुतु
मन

हिता चिलसाः सितः नाग सकतकरुतः खकन खदाखः

सकि मनः चिलसाः महातयः नाग रुतसाः नाग दाख धायः

रुतु मानः चिलसाः नना मथः नागि रुतसाः रुत दाखत

धाय ॥ धुति न चिल का अ ज य रुत ॥

५२८ ५

ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ १ ॥ नादि वा यल द डा डी सनि डाः हिन सिय ॥ १ ॥

रति वल ताः ग व स सि डाः कल स सिय ॥ २ ॥ ख वि न लि कुः ख कि न त अ य

यित कल स सिय ॥ ३ ॥ द्या व या डा अ ग्रा ग्रा नू यि डाः न क र्त्त वा त सिय ॥

४ ॥ न क न खा दुः श म वा त सिय ॥ ५ ॥ व र्त्त व ल स का कः ख कि न खा दु स थ

म सिय ॥ ६ ॥ का वृ स स सि डा कि मि न स सिय ॥ ७ ॥ लि क स्य स न साः न

दि न सिय ॥ ८ ॥ का द य म ह सिय ॥ ९ ॥ क क नू ला अ ॥ य अ दि ता स न सा

ज ह लि सिय वा अ सिय ॥ १० ॥ ख कि न लि कुः ख कि नू त्रः न यि न सिय ॥ ११

॥ का डा अ ॥ वा यल द डा डीः ख कि नः न लि डा यित सिय ॥ १२ ॥ न क स्य

खादूः सनिवतसिय ॥ १२ ॥ नृतिनिकुसः सलिअः सनुज्जदाखनसिय
१३ ॥ दासथः सनिसाः महिड ॥ १४ ॥ नादिरुववुयिअ ॥ महिड ॥ १५ ॥
निकुस्यः नासिनसनिअः महिड ॥ १६ ॥ १७ ॥ काकादिदाअः थयथय
मरास्यः सनसाभिरुनूहत् ॥ १८ ॥ निकुस्यः सतासितिनसुसा ॥ थकसिय ॥
१९ ॥ थन ॥ नादियाविवात्रसमाफ ॥ २० ॥ ग्रह ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥



कसतु
धनसमस्त
सवाया। रुद्रकृष्णानातयध
अरुसञ्चकयानातया। काम
सिधिरिडा॥ यमरुद्रकृष्णनि
अश्वव्याख्यानसयिमखु। का
मडादअनुहानयशानिडा
हेतिनतसहयिडा। धामिसा
सहयिडा॥

कसतु
धनसमस्त
सवाया। रुद्रकृष्णानातयध
अरुसञ्चकयानातया। काम
सिधिरिडा॥ यमरुद्रकृष्णनि
अश्वव्याख्यानसयिमखु। का
मडादअनुहानयशानिडा
हेतिनतसहयिडा। धामिसा
सहयिडा॥

कसतु
धनसमस्त
सवाया। रुद्रकृष्णानातयध
अरुसञ्चकयानातया। काम
सिधिरिडा॥ यमरुद्रकृष्णनि
अश्वव्याख्यानसयिमखु। का
मडादअनुहानयशानिडा
हेतिनतसहयिडा। धामिसा
सहयिडा॥



थनरुखदल॥रुन॥रुंदु मादलाडा॥वृहपति मंत्रिरुनसा॥वृधकातअ
॥त्र॥आदितरुडाहलसा॥लअरुसमुन्द॥माहावाखनाग॥गंधमानरुं
एवुलरुत॥थयनियनियानरुनसा॥अपियकावाडा॥अतअआनग
क॥अस्याबालखवाधनयुहत्र॥ॐ॥रुगत्राडा॥यावात्र॥१२
कर्मत्रि॥एसयतिकानअत्र॥रुंदुमाहदालि॥रुखसमुन्डायाला॥कका
तनागनाडा॥गंधमानएलरुत॥थयनियानरुनसा॥अपियस्यारुयि
॥लखवात्रयु॥ॐ॥आदितराडायावात्र॥वृधमंत्रि॥रुगत्राकानअ
अनिभुनरुडात्रि॥मअत्रमंत्रिरुसमडडिल॥नामसमुन्डयात्र॥वाह
किनागनाडा॥सुभलएलरुतयवात्ररुन॥सा॥थुगुडीरुःअनाअ

यियमाला॥ यद्वसुक॥ आयि य॥ पूतमं अड॥ गनकायनयायमत्र॥
॥ ॐ॥ गनिवललाडा॥ गकमति॥ वंदुकुतअ॥ गगलहडाति॥ ॐ वू
संसमंड॥ केकातनागलाडा॥ कयिसर्ववतयाया॥ ल॥ थवनियाया
इतसा॥ आयियनानमद॥ अरु कस्यावू॥ पूरुतायमाला॥ ॐ॥
गरुललाडा॥ वंदुमा मंति॥ गगलकातअत्र॥ वसयतिहं डालि॥ म
यलवेलवत॥ ग॥ तक्तनागलाडा॥ सपिसमंडयाल॥ ॥ गसमडव
लवतयाल॥ इलसा॥ आयिय॥ दळि॥ वत्रिवि यमात्र॥ अगमळि॥ ह
तिलिकाहयिअ॥ ॐ॥ वूधराडा॥ गतीमुंति॥ गदितकातअल
ग॥ कुरुडालि॥ किलसमंडयायाल॥ कवितागलाडा॥ सार्ववत॥ मता

याल ॥ धयनि याला इत सा ॥ अयि यमा ॥ दुहा ॥ मस्या ॥ अना अयि
 यमा ॥ यूरुहा यमा ॥ हलिवि यमा ॥ माल ॥ ७० ॥ वरुह संति रा ॥ अ
 दित मे ॥ अनिरल ॥ का ॥ अमल ॥ वरुह ॥ अलि ॥ कयिला सर्वल ॥
 ७१ ॥ स म् ॥ या पा ॥ क ॥ का कला ॥ ७२ ॥ धयनि याल इत सा ॥ अयि य
 म ॥ अना अयि यमा ॥ लया ॥ अस्या ॥ यूरुहा यमा ॥ वरुहा
 दल ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

निनद्राय तं ॥ गंगो गंग ॥ त्रिना तं नमः ॥ १ ॥ ॐ ॥ मृगसिलानद्रा
य तं ला गंग ॥ ससुला तं नमः ॥ ० ॥ ॐ ॥ शब्दानद्राय तं गंग ॥ नअ
द्रिअतिमनुष्य ॥ ७ ॥ ॐ ॥ वृनवृषुनद्राय तं गंग ॥ यंत्रला तं नमः
॥ ८ ॥ ॐ ॥ पृथ्वीनद्राय तं गंग ॥ उनिसला तं नमः ॥ १० ॥
ॐ ॥ रश्मिनद्राय तं गंग ॥ त्रिक्कतदनतद्रिअति ॥ ११ ॥ ॐ ॥
मृगानाद्राय तं गंग ॥ वतिना तं नमः ॥ १२ ॥ ॐ ॥ पूर्वद्रागुनिकान
य तं ॥ नद्रिअतिमनुष्य ॥ १३ ॥ ॐ ॥ उग्रद्रागुनिकाय तं गंग ॥ समुद्रा तं
नमः ॥ १४ ॥ ॐ ॥ हस्तानद्राय तं गंग ॥ नअला तं नमः ॥ १५ ॥ ॐ
विग्रानायाद्रा तं ॥ गंग ॥ कअला तं नमः ॥ १६ ॥ ॐ ॥ स्त्रातिनद्रातिद्रा

य तत्रागम॥ चतुर्वालि सतात॥ नमस्वत॥ ७७॥ ॐ ॥ विहाखादानका
य तत्रागम॥ नृसुतात नमस्वत॥ ७८॥ ॐ ॥ नृनृतादानका य तत्रागम॥
उनिसुतात नमस्वत॥ ७९॥ ॐ ॥ नृसुतात य तत्रागम॥ नृतिवदनन
द्रिअति॥ ॥ ॐ ॥ मूलनका य तत्रागम॥ चतुर्खतितनात॥ नमस्वत॥
॥ ८०॥ ॐ ॥ पूर्वखाका॥ नका य तत्रागम॥ नअद्रितिवति॥ ॥ ॐ ॥ उरु
खाका नका य तत्रागम॥ पविंसुतात नमस्वत॥ ८१॥ ॐ ॥ गुअननका य तत्रा
गम॥ उनिसुतात नमस्वत॥ ८२॥ ॐ ॥ यनखनका य तत्रागम॥ उनिसुतात न
का य तत्रागम॥ ८३॥ ॐ ॥ सवृहिलातका य तत्रागम॥ ननिर्वमनूख॥ ॥ ॐ ॥
सर्वहंडका य तत्रागम॥ नद्रिअति मनुष॥ ॥ ॐ ॥ उरुखुनका य तत्रागम॥
विहतात नमस्वत॥ ॥ ॐ ॥ अतिनका य तत्रागम॥ नृतिसेसय॥ ॐ

॥ ८४॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मोता नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वृत्तं सति नन कलागया डान कुरुन ॥ दिन या या हाग स ॥ रात हा अग
 ॐ अ ॥ कुरुन रात सा म अथि अ ॥ ० ॥ हन नो दि नन हाग या डान कुरुन
 ॥ वा स या अ श्व य ॥ कुरुन सता तसा ॥ न य अ ॥ हं ना हात सा कुरुन रात सा ॥ का रति
 पूरि ॥ कुरुन रात सा हि ड ॥ क्रियन सता तसा ॥ हत हि तिन सन कि आय
 अं ता न दिन श्व यदि न हन ॥ ॥ ॥ ॥